‘स्टेप वदि रफि़्यूजी’ अभयिान

प्रीलम्सि के लयिे:

‘स्टेप वदि रफि़्यूजी’ अभयिान, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त

मेन्स के लयिे:

वशि्व में शरणार्थी समस्याएँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (United Nations High Commissioner for Refugees-UNHCR) द्वारा प्रारंभ कयिे गए **स्टेप वदि रफि़्यूजी’ (Step with Refugee)** अभयिान में कई भारतीय व्यक्तयिों द्वारा भाग लयिा जा रहा है।

मुख्य बदिु:

- कई भारतीय तथा अन्य देशों के व्यक्त शिरणार्थी समस्या को समझने के संदर्भ में इस अभयिान में भाग ले रहे हैं।

क्यों प्रारंभ कयिा गया अभयिान?

- पूरे वशि्व में कई ऐसे परवािर हैं जनि्हें पलायन के लयिे मज़बूर कयिा गया है तथा वे जीवति रहने के लयिे असाधारण प्रयास करते हैं।
- ऐसे समय में जब अधकि-से-अधकि परवािर वभिनि्न वैश्वकि संकटों के कारण अपने घरों से पलायन के लयिे मज़बूर हो रहे हैं, UNHCR द्वारा उनके परवािरों को सुरक्षति रखने के लयिे तथा उनके जुझारूपन और दृढ़ संकल्प का सम्मान करने के लयिे इस अभयिान की शुरुआत की गई है।
- इस सामूहकि प्रयास के माध्यम से वैश्वकि एकजुटता स्थापति करने, शरणार्थयिों के संबंध में बेहतर समझ बनाने और शरणार्थयिों की रक्षा के लयिे धन जुटाने के साथ-साथ उनके जीवन के पुनर्नरि्माण में सहायता की जाएगी।

क्या है स्टेप वदि रफि़्यूजी’ अभयिान?

- इस अभयिान में भाग लेने वाले व्यक्तयिों द्वारा 12 महीनों में दो बलियिन कलिोमीटर की दूरी तय करने के लयिे स्वयं को चुनौती दी जाएगी क्योंक िवशि्व में शरणार्थयिों द्वारा अपनी सुरक्षा के लयिे हर वर्ष लगभग इतने कमिी. की यात्रा तय की जाती है।
- इस अभयिान में प्रतभिागी पैदल चलकर, साइकलि चलाकर या दौड़कर शामलि हो सकते हैं तथा फटिनेस एप फटिबटि, स्ट्रवा या गूगलफटि के माध्यम से भी आंदोलन में शामलि हो सकते हैं और वे जतिने कलिोमीटर तक यात्रा करेंगे वह अभयिान में स्वतः जुड़ जाएगा।
- इस अभयिान में प्रतभिागयिों को एक ऑनलाइन कोच की सहायता देने की भी सुवधिा है।
- इस अभयिान के तहत UNHCR कई शरणार्थयिों की दुखद और साहसकि यात्राओं को भी वशि्व के सामने प्रस्तुत कर रहा है।

शरणार्थयिों की बेहतर समझ का नरि्माण:

- UNHCR ने शरणार्थयिों को लेकर फैली कई तरह की भ्रांतयिों को नमि्नलखिति तथ्यों के माध्यम से दूर करने का प्रयास कयिा है-
    - शरणार्थी हमेशा युद्ध या उत्पीड़न के कारण दूसरे देशों में जाने के लयिे मजबूर होते हैं। उन्हें "शरणार्थी" के रूप में मान्यता इसलयिे दी जाती है, क्योंक िउनके लयिे प्रवासयिों के समान घर वापस आना बहुत जोखमिपूर्ण होता है।

शरणार्थी एवं प्रवासी के मध्य अंतर:

- शरणार्थी अपने देश में उत्पीड़न अथवा उत्पीड़ति होने के भय से पलायन को मज़बूर होते हैं। जबक िप्रवासी का अपने देश से पलायन वभिनि्न कारणों

जैसे-रोज़गार, परिवार, शिक्षा आदि के कारण भी हो सकता है किंतु इसमें उत्पीड़न शामिल नहीं है।

- इसके अतिरिक्त प्रवासी को (चाहे अपने देश में हो अथवा अन्य देश में) को स्वयं के देश द्वारा विभिन्न प्रकार के संरक्षण का लाभ प्राप्त होता रहता है।

- अधिकांश शरणार्थी घर के निकट रहने के लिये पड़ोसी देशों में सर्वाधिक पलायन करते हैं, इनमें से केवल 1% अन्य देशों में जाकर बसते हैं।
- दुनिया भर में, एक तिहाई से भी कम लोग शरणार्थी शिविरों में रहने को मजबूर हैं। अधिकांश शरणार्थी जीवन-यापन के लिये शहरों और कस्बों में जीवित रहने के लिये संघर्ष कर रहे हैं।

भारत में शरणार्थियों की समस्या:

- भारत भी पड़ोसी देशों बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल, तिब्बत और म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों की समस्या से जूझ रहा है। वर्तमान में रोहिंग्या, चकमा-हाजोंग, तिब्बती और बांग्लादेशी शरणार्थियों के कारण भारत मानवीय, आंतरिक सुरक्षा आदि समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि भारत भी शरणार्थियों के संबंध में एक ऐसी घरेलू नीति तैयार करे, जो धर्म, रंग और जातीयता की दृष्टि से तटस्थ हो तथा भेदभाव, हिंसा और रक्तपात की विकराल स्थिति से उबारने में कारगर हो।

वैश्विक शरणार्थी संकट तथा आगे की राह:

- शरणार्थी संकट विश्व के समक्ष पिछली एक शताब्दी का सबसे ज्वलंत मुद्दा रहा है। विभिन्न प्राकृतिक एवं मानवीय आपदाएँ जैसे- भूकंप, बाढ़, युद्ध, जलवायु परिवर्तन आदि के कारण पिछली एक शताब्दी में लोगों के विस्थापन की समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं।
- इनसे निपटने के लिये अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रयास किये जाते रहे हैं।
- शरणार्थी संकटों ने विभिन्न देशों को प्रभावित किया है जिसमें भारत भी शामिल है। भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र इसी प्रकार की समस्या से जूझ रहा है।
- 'स्टेप विद रिफ्यूजी' अभियान वैश्विक स्तर पर शरणार्थियों के संबंध में बेहतर समझ बनाने और शरणार्थियों की रक्षा के लिये धन जुटाने में सहायता करेगा।

स्रोत- द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/step-with-refugees